केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०११ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०११ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''अरेरे .....! यह तो बहुत बुरा हुआ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''मैं बारह वर्ष तक गुरु और सद्गुरु रहा, किन्तु सच्चा सत्संगी तो केवल आज ही बना ।''

३. ''इतनी अधीरता से तुम क्यों रो रहे हो ?''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. राजबाई की चिता पर अग्नि प्रज्वलित नहीं हुई ।

.....

.....

.....

.....

२. नियम का पालन अपने जीवन के मूल्य पर भी करना चाहिए ।

३. विष्णुदास अपने घर बैठे-बैठे श्रीजीमहाराज की दिव्यलीला की बातें हरिभक्तों से करते थे ।

प्र. ३ 'सत्संग' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. श्रीजीमहाराज ने कौन कौन-से स्थानों पर विशाल मन्दिरों का निर्माण करवाया ?

.....

.....

२. हिमराज शाह किस का भजन किया करते थे ?

३. लक्ष्मीचंद सेठ किस लिए अन्नदान करते थे ?

४. गोपीनाथजी की मूर्ति नित्य किस को फूलों की माला देती थी ?

५. राजकुमार को कैसा मित्रभाव था ?

प्र. ५ 'जैसे गाय बछड़े के.....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. क्यारेक चमकी रे .....

..... जोई रहे छे ।

२. नहीं डरते ..... गान के लिए । (शौर्यगीत)

३. जरकसीओ जामो ..... मन मारे भावता रे ।

४. ''भगवन् कृपया ..... दीनजनस्ततोऽञ्जलिम् ॥'' – इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''ये संन्यासी के वस्त्र बन्धनकारी है अत: घर जाओ और सत्संग करो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''मेरे में ज्ञान बहुत भरा है अब वह छलकने लगा है, किन्तु मुझे ज्ञान प्राप्त करनेवाला सत्पात्र नहीं मिल रहा है ।''

३. ''वरताल के संतों ने मुझे फटकारने का निश्चय किया है ।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. भगतजी ने आचार्य महाराज को भगवान का आनंद कैसे अनुभव कर सकते हैं ? इसकी बात की ।

.....

.....

.....

.....

२. गोपालानन्द स्वामीने प्रागजी भक्त को जूनागढ़ जाने की आज्ञा की ।

३. प्रागजी भक्त गिरनार को बुलाने दौड़ गए ।

प्र. ९ 'अक्षर के ज्ञान का उद्घोष' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए ।**
(वर्णनात्मक) **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. लक्ष्मीवाड़ी में मूर्ति-प्रतिष्ठा का उत्सव कब सम्पन्न हुआ ? (संवत्)

.....

.....

२. प्रागजी भक्त ने किस से सुना था कि धन और स्त्री में शाश्वत सुख नहीं है ?

३. गिरधरभाई को क्या सिद्ध करना था ?

४. जूनागढ़ में प्रागजी भक्त के अन्तर में क्या गहरी पैठती गई ?

५. यज्ञपुरुषदासजीने भगतजी को कब जूनागढ़ आने के लिए निमंत्रित करने का आज्ञा पत्र लिखवाया ? (संवत्)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. ऐश्वर्य दर्शन ।

(१) ☐ नरसिंहभाई को विषघर नाग ने काट लिया उनका ज़हर उतारा ।

(२) ☐ भगतजी ने उन्हें एक -दूसरे का अंगूठा पकड़ाकर नेत्र बंद कराके गढड़ा पहुँचा दिया ।

(३) ☐ ब्राह्मण को भगतजी ने अपनी दोनों आँखों की पुतलियों में श्रीजीमहाराज के दर्शन करवाये ।

(४) ☐ अपने भतीजे नारायण को श्रीजीमहाराज की मूर्ति दिखाई ।

२. भगतजी महाराज के योग में आकर दीक्षा लेकर साधु हुए ।

(१) ☐ साधु यज्ञपुरुषदासजी ।

(२) ☐ साधु महापुरुषदास ।

(३) ☐ साधु विज्ञानदासजी ।

(४) ☐ साधु निगुर्णदास ।

३. भगतजी महाराज ने की हुई सेवा ।

(१) ☐ मृत कुत्ते को वहाँ से हटा दिया ।

(२) ☐ चारसौ आम के वृक्षों की जड़ों में तीन तीन कल से पानी डाला ।

(३) ☐ चूने की भटठ्ी की सेवा की ।

(४) ☐ सन्तों की क्षौर क्रिया की ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणीलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दण्डवत् करते हैं ।''

१. **सदगुरु गोपालानन्द स्वामी का संग :** जो श्रीजीमहाराज को सर्व अवतारों का अवतारी स्वीकार करे और भगवान से अपने जीव को जोड़ दे, वह हमारे या श्रीजीमहाराज के संग निरन्तर रहता है । ऐसा भक्त चाहे त्यागी हो या ब्रह्मचारी, कोई अन्तर नहीं पडता ।

उ. .....

.....

२. **अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा :** स्वामी बोले, 'मैं इस स्थान पर चार वर्ष, चार महीने और चार दिन रहा । अब गाँव गाँव हरिभक्तों के साथ सत्संग करूँगा और गोंडल जाकर रहूँगा ।'

३. **गढ़डा में जल-झीलनी महोत्सव :** एक समय भगतजी कमा सेठ के साथ बैठे थे । कमा सेठ ने सलाह दी, जीवन दो दिन का है, इसलिए तुम्हें अपना विद्वान शिष्यों से अधिक नहीं बँधना चाहिए ।

४. **जूनागढ़ में गुणातीतानन्द स्वामी का संग :** जागा भक्त को देखते ही गुणातीतानन्द स्वामी ने पूछा कि खोया हुआ यह छोटा-सा मृग कहाँ से आया ?

५. **सत्संग सें कुसंग :** ऊना जाते हुए स्वामी मालिया में रूके । वहाँ उन्होंने सुना कि धोलेरा में कुंजविहारीप्रसादजी महाराज धाम में चले गए हैं, इसलिए आचार्य महाराज अपने संतों के साथ अहमदाबाद लौट गए हैं ।

६. **मुझे स्वामनिारायण ने धारण कर रखा है :** योगी की कृपा से मैं स्वामी के अन्नत सुख का अनुभव करता हूँ । जो तुम्हारा प्रसंग करते हैं उन्हें यह अनंत सुख प्रदान करता हूँ ।

* * *